>

Title: Regarding agitation for demand of separate Telengana state.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): यह एक ऐसा विषय है कि जिस पर आंध्र प्रदेश के तेलंगाना क्षेत्र में विशेष रूप से जनता बहुत विह्वल और आकुल है और इसीलिए आप इन्हें यहां से बोलने का अवसर दीजिए। मेरा आपसे निवेदन है कि जो लोग...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सिर्फ आडवाणी जी की बात रिकार्ड पर जायेगी बाकी और किसी की बात रिकार्ड पर नहीं जायेगी।.

..(व्यवधान) *

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने मित्रों से अनुरोध करना चाहता हूं कि तेलंगाना चाहने वाले लोग यह भी चाहेंगे कि संसद के माध्यम से ठीक प्रकार से तेलंगाना मिले और यदि तेलंगाना के नाम पर संसद की कार्यवाही रुकती रहेगी तो उससे तेलंगाना के जो समर्थक हैं, उनके मन में भी विपरीत भावना पैदा होगी। इसीलिए आप दोनों से अनुरोध है कि आप दोनों अपने स्थानों पर चले जाएं।...(व्यवधान) यदि आप नहीं जायेंगे तो वे लोग भी नहीं जायेंगे। आप दोनों चलिये।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आइटम नम्बर 9, श्री बसुदेव आचार्य।

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): उपाध्यक्ष महोदय, आप हमारे साथियों से कह रहे हैं कि वे यहां से चले जाएं और अपनी-अपनी बात कहें। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि क्या सरकार को पता नहीं है कि बात क्या है? ये लोग क्या नई बात कहेंगे, सारा तेलंगाना कह रहा है। मैं संसदीय कार्य मंत्री से कहना चाहती हूं ...(व्यवधान) मैं आपकी बात कर रही हूं...(व्यवधान) मैं आपकी बात कर रही हूं, आप जरा रुकिये।...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): वह आपकी बात ही कह रही हैं, आप जरा सुनिये।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदय, आपने अभी पीठ से यह कहा कि हमारे साथी अपनी जगह जायें और पांच-पांच मिनट बोलकर अपनी बात रख दें। मैं आपके माध्यम से संसदीय कार्य मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि क्या सरकार को इनकी बात पता नहीं है, जो ये पांच मिनट अपनी बात कहेंगे। पूरा तेलंगाना जलकर अपनी बात कह रहा है। मैंने उस दिन भी कहा था कि तेलंगाना में सारा काम ठप पड़ा है। मुख्यमंत्री जी को तनख्वाह नहीं मिली है क्योंकि सरकारी कर्मचारी काम नहीं कर रहे हैं। आज कांग्रेस के एक मंत्री ने वहां रेजिग्नेशन दिया है। इनकी कौन सी बात है जो ये नहीं कहेंगे? सरकार को इनकी बात पता है। हमें सरकार से केवल एक आश्वासन चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री खड़े होकर कहें कि इसी सत्र में वे तेलंगाना का बिल लायेंगे। मैं दस बार कह चुकी हूं कि हम उस बिल को पारित करवायेंगे। सरकार रोज-रोज यह तमाशा करवा रही है। इनके अपने दल के लोग खड़े होते हैं और संसद को बंद करते हैं।...(व्यवधान) संसदीय कार्य मंत्री खड़े हों।

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है। अब आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : सदन को चलाने की जिम्मेदारी आपकी है। आपके लोग खड़े हैं। आपके मंत्री ने रिजाइन किया है। आपके मुख्यमंत्री को तनख्वाह नहीं मिली है। सारा तेलंगाना जल रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है। आपकी बात हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : जो पूरी बात तेलंगाना कह रहा है, क्या वह इनके कान को सुनाई नहीं दे रही है? पूरा तेलंगाना चिल्ला-चिल्लाकर जो बात कह रहा है, वह इन्हें सुनाई नहीं दे रही है जो ये अपनी बात कहेंगे। सरकार खड़ी हो और इसके बारे में कहे।

महोदय, आप उन्हें निर्देशित कीजिए कि वे यहां आश्वासन दें कि वे तेलंगाना का बिल इसी सत्र में लेकर आएंगे और अभी सदन चल जायेगा।

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF EARTH SCIENCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Let them go back to their seats....(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप तेलंगाना का बिल लाइये।...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, सरकार इस पर जवाब दे।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 3 p.m.

14.07 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen of the Clock.

15.00 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Fifteen of the Clock.

(Shri Francisco Cosme Sardinha *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

15 .0Â½ hrs.

At this stage, Shrimati M. Vijaya Shanti and Shri K. Chandrasekhar Rao

came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, Shri Gurudas Dasgupta wants to make a point. Let us hear him.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: He is making your own point. Shri Gurudas Dasgupta may please speak now.

...(*Interruptions*)

15.01 hrs.

*At this stage, Shrimati M. Vijaya Shanti sat on the floor sat near the Table.*â€¦ (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for fifteen minutes.

15.01Â¾ hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen Minutes past Fifteen

of the Clock.

15.15 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Fifteen Minutes past Fifteen

of the Clock.

(Shri Francisco Cosme Sardinha *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

15.15 hrs.

At this stage, Shri K. Chandrasekhar Rao and Shrimati M. Vijaya Shanti

came and stood on the floor near the Table

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please make your point from your chair.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please allow the House to function.

...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Sir please allow me to speak. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please allow the House to function.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I will ask the Government. That is, of course, later. Please go back to your seats. Please maintain decorum.

...(*Interruptions*)

15.16 hrs.

At this stage, Shri K. Chandrasekhar Rao and Shrimati M. Vijaya Shanti

sat on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: This is not fair. Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I appeal to Shri Chandrasekhar Rao to go back to your seat. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I am appealing both of you hon. Members to go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. CHAIRMAN: Please allow the House to function.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet again tomorrow at 11 a.m.

15.17 hrs.

The Lok Sabha then adjourned** till Eleven of the Clock

on Friday, March 4, 2011/Phalguna 13, 1932 (Saka).

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

** Due to continued interruptions, the Lok Sabha adjourned for the day.